

ଲ୍ଲ୍ଲ୍ଟ୍ଲେମ୍ବ୍ଲ୍ ଅନ୍ୟୁ *जभ जऐए*ठ टैंठ होड्रए ल्रेंगेल मेक्स मिटार प्रस्ति विषय गारुए फ्रोड्रह्ला र स्टर्ट भागा भगाभाग ऋ^भगाम४ मस्माणी



प्राथित स **പ്രംഡുഡുന്നു** लिखन्न एमर्रेज प्राथित्रेम् देश प्राथितः **முக்கு ந**்கைய *जणदेमम् सेण जेणट* र्रहेटप्रामा स्ट्रॅम[े]क्रा गापण्टीय र्रीण्यमा



एमऋए हमटेनटाए *ने*५गास स°एए४ கிரு உயிக்கி त्रेज्ञष्ठ स्टासेख *ማዋሗሮ ኡ፞፞፞፞፞፞፞*፞፞፞ቜቔ प्रौरःचम्र हमऋरि जेपा४ म्हर्रहमार्ग



पण्टामहर्म स्टेस र्देष्ठ प्रोक्ष प्राप्त लक्षम ०५५ मा प्राप्तिक स्व യാഗുന്നുകാണ र्यं<u>भर</u> ५००० मार्थ *አ*ፈፈጻ*ಹ ជଂឃሮፁឃ*ኡየጻ गा<u>ष्ठरी</u>ण मिल<u>ञ्च</u>ाष्ट्रि ूलह लिल्फ्समार्थ स्टा

टॅरेडा मार्चिम, इन्होर्च हुए त्या मार्चिस, स्टिन्नि सुम्लीच इंटर

HUEIYEN LANPAO,

RNI Regn. No. MANMEE/2009/31282

ीमणीर प्रणालक्षमीं रद्धांच भूगातिमा अमिसील सिस प्रथति ४७,४८स ॥

अधि अध्य दें: पाल्या आधार क्रेंस मध्य प्राप्त प्र प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्त

११ छणी रहेर

ोगार°णम दर्श्वे

स्टिगास्मणे यामञ्जाणक्रसण

ION CEREMONY OF NEWLY CONSTITUTED OFFICE B

MOHORI SING

(BOSEM, COH

nstituency

ලාල්පැකිය සුන්වෙන්ව

अध्य प्रक्री ०३ अर्घ, रिज्ञमद रमर्गात हर्द्धां क्यांत्र भूतिभूत अधिक अधिक र लेशमलम् एकर राजा रिटाप्पभण्डीमर्स्ड्य भारतीं केर र्धान्त्र विश्वास विश्वास ፗ፞፠ጜሮጷ സ്ത്രി *ऋभुद्रस*ामद्राष्ट्र ण्यामाधाहर दर्श्य भारति यण जनात जबर्च विद्यालय ച്ചവു ടൃമയുംമുളെം ॥

Charge $\overline{\mathbf{A}}_{\mathbf{S}}$ and $\overline{\mathbf{A}}_{\mathbf{S}}$ and $\overline{\mathbf{A}}_{\mathbf{S}}$ प्रामाण्या ज्ञात प्राप्तीय प्राप्तीय विश्वास मिस्यि जाल मिल्या मिल्या मिल्या मिल्या मिल्या നിയ്ക്ക് വാധ വുട്ടു വുട്ട വുട്ട दर्पत भरजन्मी जनतार भित्रभिष्ण भारिभम सर्व रिरोजमाय मर रिषा स्टीद हीरद निमार राभार राभार राभार राभार मात्रम राधा है पानिमाणाद विभाग राभार राभार राभार राभार राभार राभार राभार राभार सामार राभार र जारिज्यार्य रेपार्स्स हर्य सरक्षा हरेन्द्र महत्वारा विषयात्रम महत्वारा विषयात्रम महत्वारा विषयात्रम महत्वारा विषयात्रम महत्वारा विषयात्रम महत्वारा विषयात्रम सहत्वारा विषयात्रम स्वायात्रम सहत्वारा विषयात्रम स्वत्यात्रम सहत्वारा विषयात्रम स्वत्यात्रम िर्माभारियम भरजञ्जले ४७मर एष्ट्रजन्दिय एन्योभिर्मनम नामिल भिर्देन ्ट्रणहुष्य प्रमञ्जयहान विश्व त्रभन्न विश्व त्रभन्न व्यवस्त ത്രധ ക്രാന്<u>രുളിഷ്</u>നി ग्रातम प्रत्यात्म प्रमानुष्य प्रभयद्भी भन्नत्याप्त समानुष्य ीगाह्रज्ञन्त्रीय हिन्सी हिन्स स्थान कर्त दर्भित आत्यान्ति स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्राप्त प्राचित स्व के स्व विकास कि स्व कि स रप्पीलस्वेद गिरदीस्त्री रज्यार जबीरसन्स्य एसर्व सर्भिनर्स भागिम ष्ठटेशाश्वर स्थार उच्चा भुरा हुन्य हुन्य हुन्य हुन्य

॥ दर्श टाप्राचा भामरीम रिवर्ष स्वाप्त ज्ञान में प्राप्त काल कण्या अर्प $\mathcal{L}_{\mathcal{L}}$

ज्या स्माति १३ ज्या भारताम (C) ज्ञेगाऋभ መማਜ<u>ਬਟ</u>ਿ प्राष्ट्र उन्नर विशालकताब्दाकराब्द्र पार्क्याण पारम्य स्वयाच्या पार्गिभवर्तर भारतम हमार हास्राज्य जबर्क रूक्ष टोधम एर्स्साभ्य होटिल्स स्थायं रर्जात है जस्त्रन्थ राजन पालिद लिए रिकार मध्य विभार का मध्यामिर हार्जर त्तः गांस्ट्रायमा अध्यक्षा अध्यक्ष र ौरमण <u>भर</u>ग्रसभ ौगाटीलञ्जन्न सिंतिली<u>जरम्</u> संभातिभद्ध भेडारी श्रेस विषय भेडा जिल्ह णाऽमर व्याणाहरू भ्रष्ट महणान्य णाणिक्षण भाष्याच्या रह्म ग्रापान्स्वान्य मिस्रम् वान्य ॥ भव्यन्त ए १४८द भटाने शास्त्र स्वार्थम भाष्ट्र प ग्रीटाम मध्याध्या , रिस्तर् Coco म द्रामान्य प्रश्नात प्राप्तात प्राप्तात महाने म पालीह रेंभिड़ हैं जाभी टालिंग ह ह्या हर्म्या भारहमें प्रोश्च हमक्ष ध्यात्र माध्या प्रशासक्त ॥ जिलाय प्रतासक्त भ्रम ज्ह्यामात्राम हि रि ९७ ज<u>म्म</u> अरम्भ एक प्राप्त क्रिया स्ट्रिया अप्राप्ति ഉപാധന്ത്യുടെ നൂർ ചെട്ടുത്തു

HL Poll

Q: Minister, MLA singna Food Security Act ki cheng leingakna piba thokpra?

POLL CLOSES AT MIDNIGHT Yes No

Vote thadanabagidamak www.hueiyenlanpao.com da Visit toubiyu

NGARANG GI RESULT

Q: Food Security Act ki cheng chap chana fanghanba ngamdabasi meeyamna wakatpa watpagira?

Yes | 96% | No | 04%



अटर, रक्षक्रीण सतमद फ्रेस्टिस...!



भित्र प्रधायत स्वार्ध में गाविहीय विश्व स्वर्थ स्वर्थ हिंची विश्व स्वर्थ स्वर्थ हिंची विश्व स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं ोष्ठदण **पारामण रदण ग्रापारा स्वर्गा** प्राप्त कर के मार्थ आर्य आर्य के स्वर्थ के अपने कि स्वर्थ के अपने के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स

क्रमहेन, द्रष्ट ६० (प्रेंस प्रःष्ट मधीस[®]त्र प्रामालभ्दर्शा ः(ल्या भेड्रा है स्वरूप स्वरूप स्वरूप स्वरूप ව්යා අයා අද්ධ ගැනී भिग्रारीणम जदर्ब ीडार्षां क्रा ट॰पाणिकट पाल्यमें इन्स भग्रात्याय ज्ञिस ज्ञान ज्ञात्र का अञ्चान रुदन् ीणाए जीर्भर्तीष्ठ मन्भदन् न्दर्भ रिध्यारेड स्र्रांत्र्यं ए रीज्याध°ग्राधीर रत्रमञ्जीर भारमीटा E。**回坐**。Ш<u>ጆ</u>在。II

राजिल्ल ीरुमाय ७७५८७ **मेप्रक्रफ्र**फ्रहरू ॥ दण्यभदर्ग समभोत् ४ दर्ज पार्रधे ४ भिष्ठे ही ब्रयाण ध्यार्गात ॥ डिप्पर्धात एक्सीगत र्न्सर्वेत पान्त्रेल भाराज स्टामिक द्याणिक प्रमाणिक स्थापिक ीण४५५ अस्टर्स निमानिक्रिया <u>राख</u>ीर्त्त स्वर्भ ग्राचटार्ग्येट टेंच णार्धिक्त, पाधित होस्तर्फ्त ह्यारिश्चर्मा



ाण्यमस्यापरण्यन्तरम्बर्यस्यः रिष्टा यर्गन्यर्यः भारवागित्वः सिभासर्वेन भरभवरोठ भिग्नागिम ,ग्रह्मयाल ० छदर्व रिमर रिष्य प्राप्तरभीम सरवर्व रवक एवक एक एक राज प्राप्ति प्राप्ति ॥ ब्रियार्व्ह्राप्ट्रिय उपारिश्रस्त्र्यात रिष्प रत्य एँग स्राध्नातमात महार्थना मार्थ

भित्रज्ञाषाण गञ्जन त्रमठ भार्मिकेन ऋ^१४ऽ२°Ш राध्या गार तम्म सर्वेरव्याच , अन्याच ॥ विज्ञाचित्रके प्रतिष्ठा क्रियम प्राधित्रके प्रतिक्रम प्राधित्रक प्रतिक्रम ील्रम् ग्रास्थर-वर्गर रुधिभिन्न रक्षीम भाषण्यन्यस्यस्य सम्बन्धः स्वर्मा र्वारापाज्यान्त्र भारमस्यम ीमम भागारभ्यस्तर्य भारत्वर्घञ्चय ४८ ४२-२२०३ उंमध्य रूदंम 🔐 रिष्टा प्राप्तर भारत्वर्य चित्र ा गिष्ठिय राधक राधक राधक मारा हिंग हुन हुन हुन हुन । विष्या राधक प्रदार्भ रीऽर्भर गारम्बर्ह्सर हुम दर्गञ्जू म⁶5 ०३ 'भ<u>9क्षा</u> ग्रांड रहराव ज्याराश्वरह्मा ीगामरुमाँच प्रायामाम हुप्पीटारहत्यम प्राथ्ये, प्राथमेर राउत उरिष्म रत्यम ीमम भागारभन्नद्धर हुए न्या तर्थन । विष्य । विष्य । विष्य । विष्य । विष्य हिंद हिंद विष्य । विष्य विष्य । विष्य ा दश्वरं राज्य ज्ञाप्य ज्ञाप्य जाडाचित्र होता हुन होता प्राप्त ज्ञाप

ിഷംഗം പ്രവേഷന പ്രവേഷനുന്നു പ്രവേഷനുന്നു പ്രവേഷനുന്നു പ്രവേഷന പ്രവേഷനുന്നു പ്രവേഷന പ जंग रूपेट जरभोगा एक्सें ेणा<u>ण</u> छन् . रिदर्दर्ज एथर्मिष्यण्ड मर्ह्रे एर्भागर्भभिष्य

ऋेक्षिन एप्रियाए सेन्नरू४ट४ मे एड भिरान क्रिया प्राप्ता प्राप्त भारत क्रिया प्राप्त क्रिया क्रिया प्राप्त क्रिया क्राप्त क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्राप्त क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्राप्त क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्राप्त क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्र

हाँकि भिराध रादर् भरामं ३(८०,७ क.म.) ०५ कर 'एच्सप मष्टपार्ड॰क्र गाव्यपार होर्जु उदर्क प्रतेषक होराक राप्तिक प्रापी मारी इ उपारिज्योम गिरा था ४५ होन्सर ए एउँ भिम जीराम गिर्जिश प्राप्त $\mathbf{w}_{\mathbf{M}}$ שטו אוב הועומא ש $\mathbf{w}_{\mathbf{M}}$ ש איז אוע בעאַע אפון משני $\mathbf{w}_{\mathbf{M}}$ ४७वाध्याँ यत्काम ४०७७ ४ होटाक भन्नोम स्वयञ्जम विपायमन् भीमञ् ॥ अब्दर्भ मध्स

ጕልፈኔ ብፈብ ነጣነጋፌ ዖነ册ህ የፓመኄኔንለ መራፍነብ

८म५८ १८ ५७७९ ८मम 🏻 १८ ७दर्भभार अप्रोट एमिर है एवं या विकास करा है।

ज्ञाहेन, टुए ६० (ぜん ए॰ए ए॰०)ः लीगीन लेलेज्ञा ०४ मुर्जे हास हो जन्म स्थान कार्य स्थान में स्थान स മ്മ മിഡ്യ് വായ ത്രാന്ത്യായ (ജ്യത്ത്യ) വക്രിച്ചായ ගංගාස<u>නව</u>ේ ජංකන වීන බව හා ගවස <u>ගන</u>වෙන ගුකයාදිනක ශායර ीय ३३ भीमण भेगास्त्राप्राचित्रणाच्या समहादृश्य स्र ०३३२ मेपाठ ख्या॰र भेगा०२ ഷാസ്തെ ഷ സ്വയനാന്റെനായ ഇഷ്ക്രി രാ<u>പ്</u>പത്തെ അവരായ ഇപ്പെട്ട जब्धा राजित स्थाप स् መንደ ଅፈታፀነነርን ደነፀፈናው ተማፈፈው በዘነርንው ነጻና ነነለ ጽዩያዩና መንጸ टमम छोटाक र्थाष्ट्रह रिटा रहणाउ॰र हरमम ग्राप्त॰ड छ४उ॰मङभाजा oxdot $oldsymbol{v}$ $oldsymbol{v}$ $oldsymbol{v}$ $oldsymbol{v}$ $oldsymbol{v}$ $oldsymbol{v}$ $oldsymbol{v}$ $oldsymbol{v}$ $oldsymbol{v}$ ठेपाध्य हर्षः द्रम ॥ गिरु छन् छन् । पार्य स्रामार भाम भार छन्या मन्र 1िष्णयत्र ध्या⁶58 प्योमप्रधाद प्योठेँद प्योठेँद त्रीलक्ष ५१<u>४ल</u> प्रद*्*क णीटमर्जात विद्याल के कि कि स्वर्ध मध्यम होस्थान होस्य होस्य होस्य होस्य द्राध्याणयाण प्रत्याच्य , रहेर्य अदेरभंगार बिसम्य राज्यं राज्यं रामम ய கக்கல் கம்யிறயச் யிக்யின், கக்கிகி பிவுல் கயல்றசு கக்ற $ec{\mathbf{x}}$ म ५५८ जाटाम । १५५८ जाटाम स्थाप होधरूर हाम मधुँ ॻढ़ढ़ी ॻॴॺॗ॓ऀॸ ४५४x ४ढ़<u>ॺ</u>ॎॸ एक़ॻॎऻॴॎमाप ॸ॔<u>ॺ</u>ॡॴ ॻढ़॔ॻ ४ढ़॔ ॥ रियार्थक्राप्ट अर्थ द्रम अपार्रम

मुह्म अधिक लेमा के लेमा किए प्राप्त प्रमुख ०भयामा स्थर

क्रीष्ठरीय प्राप्त प्रसाद प्राप्त अध्य प्राप्त अध्य प्रमुख ण्ड्रीएक प्रत्यमक सीयर्भ्ड मर्ज्य द्यामा रह स म<u>्राभा</u>तक सभ्यू रीन्स्पर्र ष्रापार्कित हार्वरम भारक पार्किय रोन्स्थर्ने भारक पार्टिक श्रीमण स्रीष्ठमठ दर्शम पाटामण पा<u>धिष्ट</u>लोस र्रहर्षे भास्रदर्श्वा^रण पार्टी उस में मार मार मार मार मार एक रे प्राप्त कर प्रभान ीगासद्धिकें प्रारंग रिवेद्यर्त पर्धित पराभग पर्धितेषि रिष्ठरम रुभव्य रीन्सिंटा एएटे भिम पारीन्स्यन्यांटा एपे. राभीमर हिस्सा ॥ रिस्रायन्स्रायन्त्र अर्थेन साथित अरिसास्य अरायान्य भग्रदर्भ ट॰ पट॰ लिए। प्राह्मायिक सल्लेहेट ह्यान्नेप्राह्मात्रम्, प्रार्थिन अर्थ प्रेस्फर्स प्रश्न अधायाया है कि अध्यक्त प्रमान यह ॥ गिष्ठी में कि एक एक अर्थ जिस्र स्टामिक का मिर्टिंग ण भवदर्त राजायार्यसम्बर्धा रिरुप्यामालीजायः देश प्रांच हो लिए हा स्व ம் இந்த கிரும்க கிரும்க கிரும்க கிறிய குரு கிறிய இத । भिदर्श गिष्ठस्रणाग्रार जप्पर्किंड

स्थान सर्वे स्थाप अवस्था एक मान्यम् न्तर्य ५०५ मान्य प्रतिप्राम जानम जन्म जन्म विपर

एएड अपर एक कार्य है। अपर स्थाप अप्राप्त अप्राप्त प्राप्त प्राप्त अप्राप्त प्राप्त प्त प्राप्त େଞ୍ଚୀଠଞ <u>୪</u>टୁ, ग॰क्रेह॰७ ਨू, ៤॰४० ଠୀଅए॰x४ ៤୫<u>୦</u>୭ <u>୦୬</u>୫% क्रीर दर्क रभीमपु उपार्द सीन्द्रैंत प्रसुभ्यांश प्रशिष्ठक्य वर्ष्म पापण्ड एस्टर्स भा ३२०३ ५०५ इ.५५ ए.५५ मालाम जन्म जन्म उपर इंडिंग जीर्घा विकास प्राप्त प्राप्त क्षेत्र സ്ത നലാച്ചല ഒച്ചന്റെ യന്ദ്രാക നലാച്ച ചെട്ട് ഉപ്പോട്ട रीन्रपाधेरू रमर जीलम रूम भारप<u>पाल</u> लसमरूग भज्ञल ॥ निर्दर स्टर्टिक मोर्क्स एक भाषा को (७३) भी स्थाप एन्सी एक स्टर्म भव्याम पाम ॥ 15मव्य भरद राज्यं भ<u>िष्णा</u>हि ह्र<u>िभव्य</u>ामण्या<u>न</u>्या ीणहर्टिमद होदर्श एक लक्षणक भलक्षेत्र हरूक भलक्ष<mark>ण</mark> ारेमर भरत करता प्राप्त हर हर हा जा अध्याप अध्याप के जात **७५६ ४९४०० और धा भारमध्य होन्छ्य एक अभुजन राज्या अ** ଞ୍ଚଳଳ ଖଞ୍ଚଳ ହର ଝ ॥ ଅଧ୍ୟୟ କ୍ରାଠେ ଅନୁ ଅଞ୍ଚଳ ଅଭ୍ୟତ୍ୟ <mark>ହାହି</mark>ତ ଲାହିଛି ठान हेन्द्र हिन्दु है । इस इस इस है से स्वरंध सम्प्रा में जान इस है । स्ट्रेंट प्राटामा भन्नीमा ०००,०२ र्गाट एंम जिल्ला राज्या राज्या ०४र्मण्डस्य गारगभर रद्धमा स्वाधिभरज्ञमा जरीण्य भणद шിଠାଙ୍କ ସର୍ଥ୍ୟ ଅଟେ ସାଧାରଣ ବିଧାର ବଞ୍ଚ ନଲ୍ଲ ନଲ୍ଲ । ବ୍ୟାଲ हन्याण जलकर जिल्लामाणम जरभ्याजर पालदर्वाम हजीम , बिरीड॰एएसींग प्योव्दि॰एमान सब्दलीम जन्म राज्य सर्भ भरातीम लह्न स्वत्य तन्न कारतीय हन्य हे प्राप्त ज्ञान कारतीय जिल्ला प्पीक्छ॰र भिन्नस्थातिम हम[्]धमण ॥ ब्रिगात रुद्धदर्द भिन्नि<u>स्थ॰भ</u>ुद स्थित कि विकास कि स्थान कि स्थान कि स्थान कि स्थान

अस्यार्धिक अस्य अस्य विकास विकास विकास विकास अस्य विकास विकास विकास समित किल्ला स्थापिक स्थाप

र प्राप्त विषय अरा (ए.स. स.स.) ०४ करे प्रमुख एरियामा जे लाम हे ज्या एक जिल्लाहर अभिवास भाग नियात प्राप्त मसूर क्रिक्स मार्गा का मार्गा कर ५५ जिल्ला ब्रिस रूभ रहण मध्य ॥<u>भन्य</u>णध्याम् रह<u>राष</u> र<u>ूभ</u> भाषा ७०५५ तर्र विख्<u>यक्ष</u>ाया जिल्लामा अस्तर्य प्रत्ये प्रत्ये प्र ഗ്യോ स्टा प्राप्त क्षामाल के अभाभ स्टाप्त होत्र अत्यापित ब्री ४००णा ग्रमधा <u>भक</u>्षश्राधर पण हे. स[्]र विद्यार्थक अभिभाभित क्रांक स्थाप साम प्राप्त <u>भत्र</u> अप्राप्त मध्य प्राप्त मध्य प्राप्त भारत स्थाप र्रोद्ध स्टर्श्यरभ्वल प्रालमण र्म्यमद र्व्याग्रालेब्द लमीच लि र र्रोण , रित्रदर्श ५७७% म तर्रि . क्रि. १ ५५% विक्रिश्य मा रित्रदर्श १ वित्रदर्श १ वित्रदर्श स्मध्य हिन्दू राज राज विष्या हिन्दू राजनाया अज्ञा विकास सम्माराज राषा दांगीम राज्यांत रापाँच भा २२ ७५ भा २००३ ५माघ रोज्ञेन रिसदर्सात मन्नार रज्जादिय जादिय गारक्य ॥ <u>भन</u>्दार्मात पार्यम लह मध्य निर्माताल ॥ निर्मुख जिल्लाहरू हर्ष्य हरूरभभम् ज्ञानित्र क्रिम णिर्णस स्टमन्त्र ह<u>म्ब</u>ीब्ट्रें जिल्ला ब्लिसिस राजें विम जब्म उद्धा प्रशासन वर प्राथमा व्यापस प्रभायवर्षाद प्रमारीम हमजम ो४५८५५ । पार्टम ोह्रमण अधार्यः महण्ये प्राप्ते हरा अ रमरक्र एदर्ग मारभ्य राजमत्रदक्षिद लहीएक ठील रिष्टार्ग महर्षार्ज्ज ७००७५ स<u>५४</u> मामक्त्य ॥ दिशा ४०स्मी अरिभ्ले सिम्म ५५मा ५५सि ॥ ब्रिसास प्रायास प्रभाषा हो स्थल अस्य देश स्था स्था स्था स्थल

ीणाह २३ ७८ विरह्मियाचार्याण्डिण हुन्स भिंदेशी यह भा २८ पाम

रत्नीषा जारणिन्दर्ध रब्बर्च

क्राध्यक्ष राधानम जिल्लाचा प्राप्ता करण्यस्य

सिक्षा अंग्रेट स्थापन प्रमानिक राजित स्थापन

॥ गिष्ठरीत्रपाधक्राञ्चर्य गदर्व

...ह्य दर्सेट द्रम

ಹುಗಿಗಿದ್ದಾಗುಳಿ

ಹಿण्टिष्टि॥ टाप्टी

हिन्मूहें संकार प्राप्त हाया होता होता होता है से स्वाप्त होता है से स्वाप्त होता है से स्वाप्त होता है से स्व प्रायाण्या प्राप्त हिंदी हैं। इस्ते स्था प्रहानिक प्राप्त करा क्रिया प्राप्त क्रिया प्राप्त क्रिया प्राप्त क्रिया है अपने प्राप्त क्रिया है अपने क्रिया क्रिया है अपने क्रिया है अपने क्रिया क्रिया है अपने क्रिया है अपने क्रिया है अपने क्रिया क्रिया है अपने क्रिया है अपने क्रिया क्र ए जे. मे. मार्थित में अस्तराहर के निकल्या में निकल्या में मार्थ में स्वरंध में स्वरंध में मार्थ में मार्य में मार्थ में मार्थ मा मार्चित क्रिक्ट हमार्थे स्वापन क्रिक्ट हमार्थे स्वापन हमार्थे स्वापन हमार्थे स्वापन हमार्थे स्वापन हमार्थे स राधिक स्थाप स्थाप स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्था भन्नोड ए॰ मार्ट के एए एएएएमा, एना हेर स्टल्भा हर मार्ट स्टल्मा हर हा प्राप्त हा है निर्माटक २९ गर्प सर्रामुक्त उर्ह्म ज्रिंगर्प प्राण्ममार्ज्ज्ञ सहम प्रारंज्य <u>राजक्ष</u>ीय ज्रेम<u>मक</u>्रम क्राज्यार्प प्राप्तायक ज्री ॥ दिर्घ पाउटा छ<u>भर</u>ञ्चरतर्पण राँग पा<u>रिष्ठ</u>मा पालुमक पाष्ट्रिम सर्थाम ह लञ्जनाक ले का उठ अदर् णः एंड्रल्लः सहस्य प्रेष्ट ग्रेल्व्यः तः स्वित्राणस्याणयः ाउमा आप पार्ट स्वरामित के उस्तरामा है के दिन के लिए से स्वराम अप करी है के लिए के पार्ट के लिए के लिए के लिए के ा <u>भन्</u>ये हे जान्य प्रकार प्रकार प्रकार

क्रमण (अप्याधित प्रमाधित क्रिया) विषय

லு**சி**ரேய யூ. சய முர்நான் குக்க

एक हर्सा क्ष्य क्ष्यां हिन्द हिन्द क्षित्र क्षेत्र क्ष

क्रिस्मारीम रिपक्ष ग्रदर्श हो हैं है हो हो चामम् विषय प्राप्त का मान

स्हा है अ श्रीहिएल लागिता पार्गिता पार्गिता है अनुभारत है मन

र्रप्राधित्व ग्राप्ता रहे भेर म<u>िंगाधिया</u> एग्राप्ता ह्रिस

गारा भागेर । विषय हे प्राया हे प्राया हे अध्या हे अध्या है अध्या है अध्या है अध्या है अध्या है अध्या है अध्या

क्षा अस्तार माराम अस्त देंग्रन माराम अस्तर के प्र

जारी आसी आपसे सम्बद्धा राजिय जाराय अर्थ कि स्वर्ध के अध्याप के मार्थ के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध के स्वर्ध क

ण्या प्राचित्रकारिक प्रदेश स्थाप

प्राध्याध्यामा प्राप्ता प्रा

ण अस्तर्क अस्तर्भ प्रकेष के सामा कि साम कि सम्म प्राप्त कर देश हैं से सामा कि कि स्व त्यारेण जात्यमें क जात्यमा का मारामें प्रताप प्र

हुन्स्यार राज्य प्रमानस्या हे बहुन मन्द्रा निवार हे जान होता है हिन्स होता है ेमार्ग क्रिक सिहमम्म जेक्या और जामार्ग येक्या <u>जाम</u>्य हेन्द्र क्रिक्स हेन्द्र क्रिक्स हेन्द्र क्रिक्स होता है।

യ്ക്കു

हर्रम भिद्रशार भारभदर्

...ह्य दर्सेट द्वस

ीगा⁶ष्ट्राम्म प्रहार प्राथी महीस पाठक प्र

क्रास्त्रमा मिल्या भारत प्राप्त क्रिक वर्ष स्प्रे टासेड इम्र

"ए४ए भाम तुर्ध सुरा अभितास करा है।" उद्यंगे हि हैं। प्रायानिकरामानीहरू महामान्यान अ<u>रुक</u>्तिकराञ्चद एग्जान

"കംമുന്നു വായുകുന്നു പ്രത്യിയുട്ടു

भराग्रमाषा भरादस्मा ग्रदर्व १५८०६

ा<u>भन्द</u> रूप अदरीध हुन एता जहुणारि अदर्प जीवा गर्द रह्णा<u>भन</u>्य औट्टि उन्नीसब्द ।। टिप्पार्ट ॥ १५५५ हम्मा स्टाम स्टाम स्टाम स्टाम स्टाम स्टाम स्टाम दैंग्रोण पार्टी उन्नीसर देंग्रीहरू र

ळूटभगार्क भेटा उच्चेर छुटुभक्तीक नषाक्रिम विद्यालय अन्तर्भ का ा टिप्पास्टर प्रस्कृत स्टिस्ट स्टिस स ब्रह्में टाक्का ब्रह्म इराध र णारुक्रम र्रमक्र उन्नक्त रिलो<u>ज</u>रात जारुक्रम जिल्लामा किल्लात

विवारमी अन्तर्य मधम अपर्यं भिरम्भार हामा क्रिया हिंदा हिंद र्रज्यः राष्ट्रीलहर्त्यमञ्जराष्ट्रीयः पार्धायम् आराषाभिद्धदे रह<u>ाभा</u>त प्रदेम जन्मा यस्ट्राण ज्यान्या ज्यान रिस्तरण्यू रिजा स्था प्रयास्त्र मंत्र जया रिजामि ,दर्ज जराज निभूत ॥ र्रात्रस्य स्टाप्य क्रिया ह्याल्या राज्याय होराय हो तस हो तरे ह उद्धा गरार्मात दर्स विशालक हिन्दी विशालक रिक्स किया प्रात्य क्षेत्र प्रात्य प् निवासमा करणान्त्रीर प्राप्तानमान व्याप्तान्त्रसम्बन्धः साम्प्राम

सत्र जनवामाने ज्ञास्त्र हम भ्यत्रह्म पामीएक होत्रपार्क्य ह्यंकार पार्हें गरपार्थ्य विद्या भाभभारीयम रिस्मार अध्यक्ति रेत्रणारीयम् अध्यक्ति रेत्रण राज्य प्रस्कारीयम् ...हः दर्साठ र्रम र्रम

চমবে

सस्-सम् यद्ध, प्रमम्भत्य प्रम-भ्रम एत् हणहूम रभण्यत जातम विभाग्नि मध्यम रिका रिका विभाग वर्षणीम प्रारं प्रतिमहः ०२ यह, त्रिमत

॥ ਇਆਨਵਾਵ ਹੁਸਾਨ ਘਾਰਿਮਣਾ ਜ਼ਾਪੀ ਦਾ ਸ਼ਾਪੀ ਹੋ ਹੋ ਹੈ। ਹੋ ਦੁਸਾਰ ण्या प्रत्याम रहभर्र विष्णा रहे समञ्ज राज्या में विष्यार्वेस अपरिदेय स्वेलीमधा रज्ञां १५५ अर्थे अपर इंदर् ॥ भिदर्श् अग्रज

णाण्यक्षणीम हमस्तराज्ञामध्य पाहर । भार राज व्या अर्थ अनाम हम् । सुरिटें एमर्टी मारीम भारिएक महतूर हर्र मार भारतर्व रिन्वर्च अध्वर्यन एपीम भार्मापुर्वम

उदर्व होगाँ पर्धिर गात्पन भारति भारतमधेर पाहद विवास हा भारति का रिम मेम भारति हा ॥ राजारणार्थस्य हे जातर्थ्यम हाणुरम ह<u>भव</u>र्षे जहुर्द्धभार हर्द्ध १५मभवर्ग भमभभ्व अत ूणणोलर्झ्ण जहुशीलोगा स्रांत हो मध्येण जर्दन में पिलो<u>डह</u>मात विद्यात है हैं में विदर्शन ीगहर्रस-जंज र रेंन्टर्ड समड प्रांतमड रडमर्र पार्यक्र जर्मन्द्रं राष्ट्रा ह्रांत्रत राज्यात यसर यहाँदील पाडमधन्न भारताल्याचारभर यहाँ निर्मा प्रात्र हर्न ග්රාර්**ඟ** ස්ග්ණ හ<u>හස</u>මාප ෆරා සැල්පු හ්පාගස්ගේ ප්රේණ සස්වේග භූණයමස් แ<u>भन्य</u> अर्ज्य राष्ट्रायकी राज्य कर्ज की सामानिक के निर्माण के नि प्पारक रमणीलक लक्षालुम जीलक रिक्र र्सम में में महाहुरू पाक र<u>भित्र</u>ों भारती जम विकास र्रम मंम रोधदर्व प्रह्रण मधम ॥ ५ व्योलदर्डभ्द्र लुभ्द्र सिमण दर्श्णोम रिस्मण रोधमर्५ प्रवास विभन्न

गुरामा एक्टिंक भाष्ट्र ॥ भाष्ट्र संभ सभ राजदर्

४एम प्रस्तान ४८ प्राथम स्थापन स्थापन

क्रक प्रक्री ०७ कर भट्टमप् ण्यार्थ संस्थापात्रम अंतर्या र्देञ्ख ५ जात्रमणा <u>इट</u>ेषाञ्च द्र गारत्म रज्ञांक्ष ज्ञांक्ष उद्भ ठएम, <u>ठट</u>ेप्रा॰मएम् विष्ठ उर्दे भन्यत अध्या अध्या राष्ट्रीय स्थाप ण्यार त्रज्ञ भीमाज्य भारत क्रिक असमा उदर् उप्टर्मा ग्गाऽ<u>भिष्य</u>टाजहञ्चत ११% अधिष्णा E,四坐,四,还玩。॥

प्राप्याद राजर जा जा जा



॥ भिट्टे एरहरवर्यालयः महमा जवश्यमः ॥ <u>भवह</u>ण्यनामा प्राप्यक्ष प्राप्ति<u>रामा</u> प्राप्त<u>रामा</u> प्राप्तव्यक्षण-भि

ाम रिए एक्टर्स पारिक्<u>रिश</u>ार

न्नमध्यम रज्जायहूँ निर्माह अध्याम स्थान मध्य स्थान स्थान स्थान टेंड्ट अंड प्रसान स्वाधिमां विस्तर हैं एक केंद्र गिन्हणात्पार्ट रिज्यार्ट ॥ जिष्यायार्ट पार्ट भिम्न जामभेद भिज्ञात्र जिल्ला टमम भामध्म प्यमपोस्र माप्तीम भामभ्डम ,ोब्दर्व् एप्पर्सम एएडें ीणदर्व्ये**ण स्र**सम्बन्न ॥ राजनीय र**ेष्पामणपाद रो**ठपाठपार्व एद[्]प <u>ष्णदे</u>त्रसन्द तस्त्रा ಅभूतिक, क्रमान्य १७,४५४ ේවාණ ෆහ<u>ෲශ්</u>ර් ⊞්ෆ<u>ූල</u>්ලාලකමය ඔඹඳු∫ාමක්ද करोण<u>भारभर</u>्य हुन प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्वाप्त प्राप्त प्रमहोज विज्ञान र्षण्य ज्ञराच्याच्य रिष्य क्य ॥ १०७७भ्रामभ्याल भ्रत्रम्य भाषल നിന്യപ്പോഴിന്ന ജിന<u>്നുന്</u>യെട്ടോ മനിന്റെ പ്രമേദ്യ വിവാന വിഷ്ട്രൂ വിവായ പ്രായ്യുന്നു വിവായ പ്രവാധ വിവായ വിവാ ह्म एक्सिस स्वाधितरीक्षण रेज रहेंग्रेग रहेंग्रेग रहेंग्रेग रहेंग्रेग रहेंग्रेग रहेंग्रेग राज्यात क्रिस्त विस्ता පභාග්වය දුණ වන සමායන්වා මාශයර්ව මාම්ලාන මහ ලබන දුම් මාම්ලානයන්ව මානම් වෙම් වෙම් වෙම් වාම්ලානය වන<u>් හ</u>දුල් සම්බන්ධය

७णार्ज्ज

##